सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 258 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 25 अक्टूबर, 2024

मूल्य ₹ 3/-

यदि आप हर साल अपने द्वारा किये जाने वाले प्रयोगों को दोगुना कर दें तो आप अपनी आविष्कारशीलता को दोगुना कर लेंगे।

-जेफ बेजोस

दूसरे टेस्ट में भी फेल हुई भारतीय... 7 | 6 सीटों पर कांग्रेस और भाजपा... 3 | अखिलेश ने चार मुस्लिम, तीन... 2

बीजेपी की सीट, बसपा का वोट बैंक और अखिलेश की सोशल इंजीनियरिंग

अखिलेश ने खेला अयोध्या वाला दांव, हो पाएगा तख्ता पलट?

» कांग्रेस के कोटे वाली सीटों पर अखिलेश का सियासी एक्सपेरिमेंट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 से के बाद से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अब टिकट बंटवारे के मामले में बहुत सोच विचार कर और रणनीति के तहत ही टिकट वितरण कर रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर अखिलेश ने जो भी प्रयोग किए सब सफल साबित हुए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सबसे बड़ा खेल अयोध्या में किया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अयोध्या की सामान्य सीट पर दलित कार्ड खेलते हुए अवधेश प्रसाद को प्रत्याशी बनाया जिन्होंने अयोध्या में बीजेपी के लल्लू सिंह को बुरी तरह हराया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की यही सोशल इंजीनियरिंग अब यूपी उपचुनाव में भी कर रहे हैं।

दरअसल उत्तर प्रदेश विधानसभा की 9 सीटों पर होने वाले उपचुनाव की राजनीतिक बिसात बिछ चुकी है, सपा और बीजेपी की इस चुनाव में आमने-सामने की टक्कर है। हालांकि 9 सीटों पर बसपा ने भी उम्मीदवार उतारे हैं लेकिन माना जा रहा है लड़ाई भाजपा और सपा में ही होगी। सपा उपचुनाव में कांग्रेस को भी दो सीटें, खैर और गाजियाबाद दे रही थी लेकिन कांग्रेस 2 सीटों पर राजी नहीं हुई। जब कांग्रेस ने अपने कदम पीछे किए तो अखिलेश यादव ने उन दोनों सीटों पर भी अपने कैंडिडेट उतार हुए फिर अयोध्या वाली रणनीति अपना ली और बीजेपी को मात देने के लिए सपा ने यहां बीजेपी के ब्राहम्ण उम्मीदवार के सामने दलित प्रत्याशी को टिकट दे कर बड़ा खेल कर दिया। गाजियाबाद और अलीगढ़ की खैर विधानसभा सीट पर बीजेपी की तगड़ी पकड़ है, बीजेपी की दोनों सीटों पर सियासी पकड़ को देखते हुए कांग्रेस ने उपचुनाव लड़ने से अपने कदम पीछे खींच लिए थे। इसके बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार शाम दोनों ही सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया। जिसमें खैर सीट पर चारू कैन और गाजियाबाद सीट पर सिंह राज जाटव को टिकट दिया है।

सिंह राज जाटव, सपा प्रत्याशी

संजीव शर्मा, बीजेपी प्रत्याशी

गाजियाबाद में अयोध्या जैसा प्रयोग

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गाजियाबाद विधानसभा सीट पर अयोध्या और मेरठ लोकसभा सीट वाला सियासी दांव चला है। 2024 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश ने मेरठ और फैजाहबाद जैसी सामान्य सीट पर दलित प्रत्याशी उतारने का प्रयोग किया थे, जो हिट रहा था। सपा ने फैजाबाद लोकसभा सीट पर अवधेश प्रसाद के रूप में दलित उम्मीदवार उतारा था तो मेरठ सीट पर सुनीता वर्मा को प्रत्याशी बनाया था। सपा ने इन दोनों ही सीटों पर बीजेपी को कांटे की टक्कर देने में सफल रही थी। अयोध्या में सपा के अवधेश प्रसाद ने शानदार जीत दर्ज की थी तो मेरठ में सुनीता वर्मा बहुत मामूली वोटों से हार गई थी। सपा ने फैजाबाद वाले सियासी प्रयोग को दोहराते हुए गाजियाबाद विधानसभा की सदर सीट पर सिंह राज जाटव को टिकट दिया है, जो दलित समुदाय से आते हैं। बीजेपी ने ब्राह्मण कार्ड चलते संजीव शर्मा को उतारा है तो बसपा ने वैश्य समुदाय से आने वाले परमानंद गर्ग पर दांव लगाया है, ऐसे में सपा ने जनरल सीट पर दलित प्रत्याशी उतारकर एक तीर से कई निशाने साधे हैं। सपा अपनी इस रणनीति के जरिए यादव और मुस्लिम के साथ दलित वोटों को साधने की है। इसके अलावा जिस तरह से उन्होंने जाटव प्रत्याशी दिया है, उसका सीधा संकेत मायावती के कोर वोटबैंक में सेंधमारी का है। गाजियाबाद सीट पर दलित वोटर बड़ी संख्या में है, जिसे अगर सिंह राज जाटव के जरिए अपने साथ जोड़ने में कामयाब रहते हैं तो बीजेपी और बसपा दोनों का खेल बिगड़ सकता है।

किस वोट बैंक पर है सपा की नजर

इस उपचुनाव में सपा की नजर दलित और मुस्लिम गठजोड़ पर है, सपा प्रमुख अखिलेश यादव पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) के फार्मूले को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके इस फार्मूले को लोकसभा चुनाव में सफलता भी मिली, इससे सपा और अखिलेश यादव के हौसले बुलंद हैं। गाजियाबाद में सपा ने यह प्रयोग पहली बार नही किया है। सपा ने 2022 के विधानसभा चुनाव में भी दलित समाज से आने वाले विशाल वर्मा को मैदान में उतारा था, इसके बाद भी बीजेपी के अतुल गर्ग लगातार दूसरी बार गाजियाबाद से जीतने में सफल रहे।

अलीगढ़ में सपा ने खेला बड़ा विक्टिम कार्ड

अलीगढ़ में भारतीय जनता पार्टी को मात देने के लिए समाजवादी पार्टी ने बड़ा विक्टिम कार्ड खेला है। सपा ने बीजेपी के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तेजवीर सिंह गुड्डू की पुत्रवधू चारु कैन को खैर में टिकट दिया है। बीजेपी ने खैर सीट से पूर्व सांसद स्वर्गीय राजवीर दिलेर के पुत्र सुरेंद्र दिलेर को प्रत्याशी बनाया है। चारु कैन ने चंद दिनों पहले ही कांग्रेस की सदस्य ली थी। उससे पहले चारु कैन ने बहुजन समाज पार्टी से चुनाव भी लड़ा था। बहुजन समाज पार्टी के वोटो पर चारु कैन का अच्छा दबदबा है, चारु कैन एससी समुदाय से आती है लेकिन उनके पति जाट समुदाय से है जिसके चलते जाट समुदाय और एससी समुदाय का मत मिलने के आसार राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का केंद्र बने हुए हैं। खैर विधानसभा उपचुनाव से पहले बसपा को झटका देने वाली चारू कैन 2022 में खैर विधानसभा से चुनाव लड़ चुकी है। यूपी के उपचुनावों को लेकर उन्होंने 5 अक्टूबर को बसपा छोड़ कांग्रेस का हाथ थाम लिया था।

कैसी रही है गाजियाबाद की लड़ाई

गाजियाबाद में उपचुनाव वहां के विधायक रहे अतुल गर्ग के सांसद चुने जाने की वजह से कराया जा रहा है। गर्ग ने 2022 का विधानसभा चुनाव एक लाख से अधिक वोटों के अंतर से जीता था। उस चुनाव में बीजेपी के अतुल गर्ग को एक लाख 50 हजार 205 वोट,सपा के विशाल वर्मा को 44 हजार 668 वोट और बसपा केके शुक्ल को 32 हजार 691 और कांग्रेस के सुशांत गोयल को 11 हजार 818 वोट मिले थे। हालांकि ये आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि गाजियाबाद के मतदाताओं ने जाति से ऊपर उठकर मतदान किया था। उपचुनाव में गाजियाबाद में ऊंट किस करवट बैठेगा इसकी जानकारी 23 नवंबर को ही चल पाएंगे, जब मतगणना के नतीजे आएंगे।

अखिलेश ने चार मुस्लिम, तीन ओबीसी व दो दलित उम्मीदवार मैदान में उतारे

यूपी उपचुनाव पिछड़ी जातियों को साधने की कोशिश

» सामान्य जाति को नहीं दी तरजीह

» अखिलेश ने आधी आबादी पर जताया भरोसा

» दलित और पिछड़ी जातियों को दिया पांच टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने एक बार फिर आक्रामक पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) कार्ड खेलते हुए आगामी उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की है। इस बार पार्टी ने सबसे ज्यादा सीटें मुस्लिम उम्मीदवारों को दी हैं। 9 सीटों में से 4 पर मुसलमान उम्मीदवार होंगे। इसके अलावा, 3 सीटें ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग)और 2 सीटें दलित समुदाय के उम्मीदवारों को सौंपी गई हैं। यह कदम सपा द्वारा अपने चुनावी गठबंधन को मजबूती देने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

वहीं सपा ने उपचुनाव चुनाव में प्रत्याशियों के नाम के सारे पत्ते खोलने के साथ ही समाजवादी पार्टी ने साफ कर दिया कि पीडीए का नारा महज नारा ही नहीं बल्कि हकीकत है। सपा ने नौ में से पांच टिकट दलित और पिछड़ी जातियों से दिए हैं जबकि चार मुस्लिमों पर दांव लगाया है। इसके अलावा आधी से ज्यादा यानी पांच सीटें महिलाओं को देकर आधी आबादी को तरजीह दी है। सपा ने टिकट बांटने के मामले में सामान्य जाति को तरजीह नहीं दी है। बुधवार तक सपा ने छह सीटों पर नामों की घोषणा कर दी थी। बृहस्पतिवार को बची हुई तीन सीटों पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने खैर से डॉ. चारू कैन, गाजियाबाद से श्री सिंह राज जाटव और कुंदरकी से मोहम्मद रिजवान को टिकट दे दिया। पार्टी ने अभी मोहम्मद रिजवान के नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की है लेकिन सपा द्वारा जारी फार्मेट सी-7 में मोहम्मद रिजवान को अपना प्रत्याशी बताया गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार फार्मेट सी-7 में प्रत्याशियों के आपराधिक इतिहास का ब्योरा दिया जाता है। इससे पहले करहल से तेज प्रताप यादव, सीसामऊ से नसीम सोलंकी, फूलपुर से मुजतबा सिद्दीकी, कटहरी से शोभावती वर्मा, मझंवा से डॉ. ज्योति बिंद और मीरापुर से सुम्बुल राणा के नामों का एलान हो चुका है। इसी के साथ सभी नौ सीटों पर सपा के सभी प्रत्याशियों सामने आ गए हैं।

यूपी में पीडीए कार्ड चलेगा : सपा प्रमुख

नामों की घोषणा के साथ साफ हो गया कि समाजवादी पार्टी ने उपचुनाव में खुलकर पीडीए कार्ड चला है। यहां तक कि सामान्य सीट गाजियाबाद से भी जाटव प्रत्याशी के रूप में श्री सिंह राज जाटव को उतार दिया। वहीं एक बिंद, एक कुर्मी, दो जाटव और एक यादव को साइकिल चुनाव चिह्न देकर पिछड़ी जातियों को साधने की कोशिश की गई है। वहीं चार मुसलमानों को मैदान में उतार कर पार्टी में उनकी अहमियत का साफ संदेश भी दे दिया है। प्रत्याशियों में एक भी सामान्य जाति से नहीं है जबकि गाजियाबाद की सामान्य सीट पर नहीं है।

चुनावों के लिए एग्जिट पोल पर रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा काफी हाई है। बीजेपी, कांग्रेस समेत अन्य राजनीतिक दल चुनावी रण में उतर गए हैं। इस बीच भारतीय चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड समेत 16 राज्यों में होने वाले चुनावों के लिए मतदान के दौरान एग्जिट पोल के मामले में गुरुवार को एक आदेश जारी किया है।

इसमें निर्देश दिया गया है कि कोई भी प्रिंट या टीवी मीडिया 13 नवंबर की सुबह 7 बजे से 20 नवंबर की शाम 6:30 बजे तक किसी भी तरह के एग्जिट पोल को ना तो छाप सकती है और ना ही टीवी पर चला सकती है। इस दौरान मीडिया इस तरह का कोई भी काम नहीं करेगी, जिसका असर मतदान पर पड़ सके। चुनाव पर किसी भी तरह से प्रभावित ना हो, इसलिए चुनाव आयोग काफी सतर्क है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने 15 अक्टूबर को झारखंड और महाराष्ट्र राज्यों के लिए विधानसभा चुनाव कराने की घोषणा जारी की थी।

हमें एनडीए में सीट नहीं बल्कि जीत चाहिए : संजय निषाद

» डिप्टी सीएम ने कहा- अपना दल भी मिलकर लड़ेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लखनऊ में संयुक्त रूप से प्रेसवार्ता को संबोधित किया। संजय निषाद ने कहा कि हमें एनडीए में सीट नहीं बल्कि जीत चाहिए। निषाद समाज को हक चाहिए। बसपा-सपा ने आरक्षण के मुद्द को लटकाए रखा। हम देश और समाज के हित में सीटों की दावेदारी नहीं करते हैं।

इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि संजय निषाद जी अपनी मेहनत के बल पर यहां तक पहुंचे हैं। हम मिलकर लड़ेंगे और विपक्ष को पराजित करेंगे। इंडिया गठबंधन की फटाफट और सफाचट की नीति जनता समझ चुकी है। सपा सरकार में निषाद समाज के लोगों का उत्पीड़न होता था और महिलाओं का बलात्कार होता था। उन्होंने कहा कि यूपी तेजी से आगे बढ़ रहा है। योगी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। उन्होंने कहा अपना दल भी हमारे साथ है और मिलकर चुनाव लड़ रहा है। प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए भाजपा ने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। इसके बाद इस प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया।

विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका बाबा सिद्दीकी के बेटे राकांपा में हुए शामिल

» पूर्व बांद्रा निर्वाचन क्षेत्र से जीशान की उम्मीदवारी की घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने वाला है। इस चुनाव से पहले दिवंगत राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे ने कांग्रेस को बड़ा झटका दे दिया। मुंबई युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष जीशान सिद्दीकी अब राकांपा में शामिल हो चुके हैं। राकांपा में शामिल होने के बाद ही पार्टी ने पूर्व बांद्रा निर्वाचन क्षेत्र से जीशान की उम्मीदवारी की घोषणा की।

उनके अलावा भाजपा के पूर्व सांसद संजयकाका पाटिल और निशिकांत दुबे भी

विधानसभा चुनाव से पहले उपमुख्यमंत्री अजित पवार की उपस्थिति में राकांपा में शामिल हो गए। राकांपा में शामिल होने के बाद जीशान ने कहा, यह मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत ही भावुक वाला दिन है। मैं अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे का धन्यवाद करता हूं। इन्होंने इस कठिन समय में मुझ पर विश्वास किया। मुझे बांद्रा ईस्ट से नामांकन मिला है। मुझे यकीन है कि सभी लोगों के प्यार और समर्थन से मैं पूर्वी बांद्रा से दोबारा जरूर जीतूंगा। निशिकांत दुबे ने कहा, मैं आज अपने नेता देवेंद्र फड़णवीस के निर्देश पर राकांपा में शामिल हो गया। मुझे भाजपा से राकांपा में आना पड़ा, क्योंकि इस्लामपुर विधानसभा सीट राकांपा के पास चली गई। मैं राकांपा के टिकट पर इस्लामपुर सीट से जीत हासिल करूंगा। राकांपा में शामिल होने के बाद संजयकाका पाटिल ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, राकांपा महायुति का हिस्सा है। हमारे जिले की इस्लामपुर सहित दो सीटें एनसीपी (महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए) में चली गईं। मुझे चुनाव लड़ना था, इसलिए मैं राकांपा में शामिल हो गया।

आरक्षण व संविधान पर आंच नहीं आने दूंगा : चिराग

» बोले- जेएमएम ने झारखंड को खतरे में डाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चतरा। चतरा विधानसभा से लोजपा प्रत्याशी जनार्दन पासवान के नामांकन सभा में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा- ' मैं अपने पिता स्वर्गीय रामविलास पासवान के संघर्षों की कसम खाकर कहता हूं कि जब तक चिराग पासवान जिंदा है तब तक आरक्षण और संविधान पर कोई आंच नहीं आएगी।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि जेएमएम कांग्रेस ने राज्य में महिलाओं को असुरक्षित कर दिया है। युवाओं को पांच लाख नौकरी देने के नाम पर पांच सालों तक ठगा। इसलिए झारखंड को

भ्रष्टाचार और लूट की सरकार से मुक्त करने के लिए भाजपा की सरकार बनानी जरूरी है। चिराग पासवान ने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जेएमएम और कांग्रेस की सरकार ने झारखंड को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार राज्य के गरीबों का पैसा लूटकर अपने घरों में भरने का काम कर रहे हैं।

6 सीटों पर कांग्रेस और भाजपा का आमने-सामने का मुकाबला तय

दोनों ही पार्टियों ने कसी कमर

- 13 नवंबर को होने वाले चुनावों के लिए दोनों पार्टियां पूरी तैयारी में
- चौरासी सीट पर भाजपा ने अभी कोई चेहरा सामने नहीं किया
- कुछ सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजस्थान। राजस्थान विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने सभी सात सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। 23 अक्तूबर को कांग्रेस ने सूची जारी की, जबकि भाजपा ने 20 अक्तूबर को छह सीटों के लिए नाम घोषित किए थे। 13 नवंबर को होने वाले चुनावों के लिए दोनों पार्टियां पूरी तैयारी में हैं। राजस्थान विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा के बाद अब कांग्रेस ने सभी सातों सीट पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। हालांकि भाजपा ने अभी तक 6 नाम ही घोषित किए हैं। चौरासी सीट पर अभी कोई चेहरा भाजपा ने सामने नहीं किया है। वहीं कांग्रेस ने सातों सीटों पर मुकाबले के लिए चेहरे सामने कर दिए हैं। बुधवार 23 अक्तूबर देर रात कांग्रेस ने उपचुनावों के लिए अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी। वहीं भाजपा ने 20 अक्तूबर को ही घोषणा कर दी थी।

राजस्थान में 13 नवंबर को उपचुनाव के लिए वोटिंग होगी। इसके लिए दोनों ही पार्टियों ने कमर कस ली है। फिलहाल तो 6 सीटों पर कांग्रेस और भाजपा का आमने-सामने का मुकाबला तय हो चुका है। हालांकि इनमें से कुछ सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले के आसार हैं। बीएपी चौरासी के साथ सलूंबर में भी चुनाव लड़ रही है। वहीं, गठबंधन के इंतजार में बैठी आरएलपी भी अब खींवसर के अलावा अन्य कुछ सीटों पर भी अपने प्रत्याशी उतार सकती है।

इसलिए जरूरी हुए उपचुनाव

बता दें कि दो सीटों पर तो उपचुनाव मौजूदा विधायकों कांग्रेस के जुबैर खान (रामगढ़) और भाजपा के अमृतलाल मीना (सलूंबर) के निधन के कारण हो रहे हैं। बाकी पांच सीटों पर विधायक लोकसभा चुनाव में सांसद चुने गए थे, जिसके कारण उपचुनाव की जरूरत पड़ी। वर्तमान में 200 सीटों वाली राज्य विधानसभा में भाजपा के 114 विधायक, कांग्रेस के 65, भारत आदिवासी पार्टी के तीन, बसपा के दो, रालोद का एक और आठ निर्दलीय विधायक हैं।

ये चुने गए सांसद

कांग्रेस विधायक बृजेंद्र ओला (झुंझुनू), हरीश चंद्र मीना (देवली-उनियारा), मुरारी लाल मीना (दसाऊ), राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के विधायक हनुमान बेनीवाल (खींवसर) और भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायक राजकुमार रोत (चोरासी) इस साल लोकसभा चुनाव में सांसद चुने गए थे। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव की तरह उपचुनाव के लिए किसी क्षेत्रीय पार्टी के साथ गठबंधन नहीं किया है।

दौसा सीट

कांग्रेस प्रत्याशी : कांग्रेस ने दौसा सीट से डीडी बैरवा को उतारा है। इनकी पत्नी बीना बैरवा वर्तमान में लवाण पंचायत समिति की प्रधान हैं, जबकि स्वयं जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव हैं।

भाजपा प्रत्याशी : भाजपा ने यहां किरोड़ी लाल मीणा के भाई जगमोहन को अपना प्रत्याशी बनाया है। जगमोहन को टिकट दिलावाने के लिए किरोड़ी लंबे समय से प्रयास कर रहे थे। पिछले विधानसभा चुनावों में भी जगमोहन का टिकट एन वक्त पर कट गया था।

देवली-उनियारा सीट

कांग्रेस प्रत्याशी : देवली-उनियारा से यहां कांग्रेस ने केसी मीणा को उतारा है। हाल में इन्होंने वीआरएस लिया था। कांग्रेस सांसद हरीश मीणा ने इनके टिकट के लिए लॉबिंग की थी।

भाजपा प्रत्याशी : देवली-उनियारा सीट पर भाजपा ने अपने पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह गुर्जर को फिर से मौका दिया है। साल 2018 के विधानसभा चुनावों में राजेंद्र सिंह गुर्जर यहां भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़कर जीते। 2023 में भाजपा ने उनका टिकट काटकर विजय बैंसला को दिया। विजय कांग्रेस के प्रत्याशी हरीश मीणा से चुनाव हार गए। अब उपचुनाव में भाजपा ने फिर से राजेंद्र गुर्जर को प्रत्याशी बनाया है।

रामगढ़ सीट

कांग्रेस प्रत्याशी : रामगढ़ से आर्यन जुबैर को कांग्रेस ने मैदान में उतार है। रामगढ़ सीट के भूतपूर्व विधायक जुबैर खान के छोटे बेटे हैं आर्यन जुबैर।

भाजपा प्रत्याशी : इस सीट पर भाजपा ने दशकों बाद आहूजा परिवार के बाहर टिकट दिया है। पिछले विधानसभा चुनावों में सुखवंत सिंह भाजपा से बागी होकर आजाद समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़े थे और 74 हजार से ज्यादा वोट लेकर दूसरे नंबर रहे थे, जबकि भाजपा प्रत्याशी जय आहूजा तीसरे नंबर रहे थे।

सलूंबर सीट

कांग्रेस प्रत्याशी : सलूंबर कांग्रेस ने यहां रेशमा मीणा को मौका दिया हौ। कांग्रेस ने रघुवीर मीणा की जगह रेशमा को टिकट देकर चौंका दिया है। जयसमंद पंचायत समिति सदस्य रेशमा ने डबल एमए कर रखा है। 53 साल की रेशमा मीणा सराड़ा पंचायत समिति में पहले दो बार प्रधान रह चुकी हैं।

भाजपा प्रत्याशी : सलूंबर में भाजपा ने सहानुभूति की लहर का फायदा लेने के लिए अपने दिवंगत विधायक अमृत लाल मीणा की पत्नी शांता देवी को प्रत्याशी बनाया है। अमृत लाल मीणा का इसी साल सितंबर में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था।

झुंझुनूं सीट

कांग्रेस प्रत्याशी : कांग्रेस ने झुंझुनूं से अमित ओला पर दांव खेला है। अमित गहलोत सरकार के पूर्व मंत्री तथा झुंझुनू लोकसभा सीट से सांसद बृजेंद्र ओला के बेटे हैं।

भाजपा प्रत्याशी: भाजपा ने झुंझुनूं से राजेंद्र भांबू को उपचुनाव में अपना प्रत्याशी घोषित किया है। झुंझुनूं से राजेंद्र भांबू जब 2018 में भाजपा के उम्मीदवार थे, लेकिन 2023 में इनकी जगह निशीत कुमार उर्फ बबलू को टिकट दिया गया। बबलू चुनाव हार गए। इसलिए भाजपा ने एक बार फिर से राजेंद्र भांबू को मैदान में उतारा है।

खींवसर सीट

कांग्रेस प्रत्याशी : खींवसर से डॉ. रतन चौधरी को कांग्रेस ने उतारा है। पूर्व आईपीएस सवाई सिंह की पत्नी हैं। ज्योति मिर्धा के साथ ही इन्होंने भी भाजपा ज्वाइन की थी।

भाजपा प्रत्याशी : बीजेपी ने 2023 के विधानसभा चुनावों में भी रेवंत राम डागा को प्रत्याशी बनाया था, लेकिन हनुमान बेनीवाल के सामने वे बेहद नजदीकी मुकाबले में चुनाव हार गए। अब उपचुनावों में भाजपा ने एक बार फिर से यहां अपना डागा को मैदान में उतार दिया है।

डूंगरपुर-बांसवाड़ा सीट

कांग्रेस प्रत्याशी: कांग्रेस ने डूंगरपुर-बांसवाड़ा सीट से महेश रोत को मौका दिया है। महेश यूथ कांग्रेस का अहम हिस्सा हैं। छात्रसंघ राजनीति में सक्रिय रहे हैं।

भाजपा प्रत्याशी: डूंगरपुर-बांसवाड़ा की चौरासी सीट के लिए भाजपा ने टिकट होल्ड पर रखा हुआ है। भाजपा की ओर से अभी इस सीट पर कोई चेहरा सामने नहीं है। कांग्रेस के महेश रोत को टक्कर देने के लिए भाजपा किसको सामने लाती है ये देखना दिलचस्प होगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कानून अंधा नहीं है!

अंग्रेजों के जमाने वाली न्याय की देवी की उस छवि को पूरी तरह से बदल दिया गया है। वहीं न्याय के लिये प्रसिद्ध विक्रमादित्य के देश में इन दिनों एक खबर किस्सा बनी हुई है कि न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटा दी गई है और दायें हाथ में तलवार को हटाकर भारत का संविधान रख दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने ब्रिटिश काल के प्रतीक से आगे बढ़ते हुए न्याय की देवी की मूर्ति का नया रूप प्रस्तुत किया है। अब न्याय की देवी की आंखों पर पट्टी नहीं होगी और उनके हाथ में तलवार की जगह संविधान दिखाई देगा। ऐसे में इस बदलाव की पहल देश के प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने की है, जिनका मानना है कि कानून अंधा नहीं होता, बल्कि सभी को समान रूप से देखता है। न्याय की देवी की यह नई मूर्ति सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट की जजों की लाइब्रेरी में स्थापित की गई है। दरअसल, पहले जहां उनकी आंखों पर पट्टी बंधी होती थी, अब उनकी आंखें खुली हैं। इसके साथ ही, उनके एक हाथ में जो पहले तलवार हुआ करती थी, उसकी जगह अब संविधान ने ले ली है। दाएं हाथ में तराजू पहले की तरह मौजूद है, जो समानता और निष्पक्षता का प्रतीक है।

आपको बता दें कि न्याय की देवी की आंखों पर बंधी हुई पट्टी हट गई है। न्याय की देवी की आंखें अब बंद नहीं रहेंगी। न्याय की देवी अब सब-कुछ देख सकती है। न्याय की देवी की आंखों पर से पट्टी हटाने का मतलब यह हुआ कि कानून अंधा नहीं है। भारत में कानून के मामले में चलने वाली यह अवधारणा पूरी तरह से बदल गई है कि कानून अंधा होता है। दरअसल, कानून की प्रतिमा के रूप में अंग्रेजों के जमाने से न्याय की देवी की आंखों पर पट्टी बांधे रखने का प्रचलन था। अंग्रेजों के जमाने वाली न्याय की देवी की उस छवि को पूरी तरह से बदल दिया गया है। वहीं न्याय के लिये प्रसिद्ध विक्रमादित्य के देश में इन दिनों एक खबर किस्सा बनी हुई है कि न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटा दी गई है और दायें हाथ में तलवार को हटाकर भारत का संविधान रख दिया गया है। ये बदलते हुए प्रतीक बदलती हुई न्याय व्यवस्था की जरूरत को इंगित करते प्रतीत होते हैं। पर लाख टके का सवाल है कि क्या न्याय की देवी का रंग-रूप बदलने से न्याय के बुनियादी ढांचे में बदलाव होगा? क्या न्याय की देवी आंखों से पट्टी हटने के बाद देख पायेंगी कि आम आदमी को न्याय मिलने में कितने साल तक खपना पड़ता है। क्या वह जान पाएंगी कि करोड़ों मुकदमों की फाइलें कैसे और कब तक निपटेंगी? विचाराधीन कैदियों की किस्मत की रेखाओं को क्या अब देवी पढ़ पायेंगी? पंच परमेश्वर के रचयिता प्रेमचंद आज सोच रहे होंगे कि क्या अब सचमुच कानून खुली दृष्टि से देखेगा? इसे लेकर एक बार जज ने किसी बुजुर्ग से पूछा- इस उम्र में लड़की छेड़ते शर्म नहीं आई? बूढ़ा आदमी बोला- जज साहब मेरी भी तो सुन लो। जज गुस्से में बोला- तुम कोई 18-20 साल के लड़के नहीं हो जो तुम्हारी बात सुनी जाये, अपने बाल देखे हैं सफेद हो चुके हैं। बूढ़ा आदमी बोला- साहब ये पचास साल पुराना केस है, जिसे छेड़ा था वो अपने पोते के साथ आई है। काश! न्याय की देवी न्याय के विलंब को निहार सके!

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बदलते वक्त के साथ समीकरणों में बदलाव

हरीश मलिक

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के बाद अब महाराष्ट्र और झारखंड के लिए भी चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान और 23 नवंबर को नतीजे आएंगे। महाराष्ट्र विधानसभा के लिए पहली बार छह असरदार राजनीतिक दल एक तरह से बराबरी के साथ चुनावी समर में उतरेंगे। इसलिए, यहां पर राजनीति का ऊंट किस करवट बैठेगा, यह तो भविष्य के गर्भ में है, लेकिन इतना तय है महाराष्ट्र में महामुकाबला बेहद दिलचस्प होने वाला है। समंदर की लहरें जिस तेजी से बदलती हैं, पिछले विधानसभा चुनाव के बाद से देश की आर्थिक राजधानी में राजनीति की लहरें उससे ज्यादा तेजी से बदली हैं। किसे पता था कि 2019 में भाजपा-शिवसेना गठबंधन में चुनाव लड़ने और बहुमत से 16 सीटें ज्यादा हासिल करने के बावजूद मिलकर सरकार नहीं बना पाएंगे। राजनीति के 'सत्ता-सुख' के सिंहासन पर कोई और ही आरूढ़ हो जाएगा।

महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव में शिवसेना और एनसीपी एक अलग ताकत थी। तब जनता ने शिवसेना को 56 और एनसीपी को 54 सीटें दी थीं। भाजपा 105 सीटें लेकर सबसे बड़ा दल बनकर उभरी थी, लेकिन सरकार बनने से पहले ही उद्धव ठाकरे ने अप्रत्याशित रूप से पाला बदल लिया। उद्धव ने विपरीत विचारधारा वाली कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई और खुद सीएम बने। इतने दशकों की राजनीति के बाद पहली बार ठाकरे परिवार से कोई सीएम की कुर्सी तक पहुंचा था। लेकिन राजनीति में पासे हमेशा अपने पक्ष में नहीं पड़ते। सत्ता संभालने के बाद इतनी उठापटक मची कि उद्धव और शरद पवार दोनों के ही सारे समीकरण बदल गए। महाराष्ट्र की सत्ता उद्धव ठाकरे के हाथ में आने के बाद उन्हें भाजपा से बड़ी चुनौती अपनी ही पार्टी शिवसेना से मिली। वर्ष 2022 में शिवसेना के वरिष्ठ नेता एकनाथ शिंदे ने खुलेआम बगावत कर दी। दरअसल, एकनाथ शिंदे पार्टी के उन नेताओं में शामिल रहे, जो 2019 में ही कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाने के खिलाफ थे।

तभी से वे बड़े राजनीतिक मौके की फिराक में थे। मई, 2022 में ऐसा अवसर उनके हाथ में आया। गुवाहाटी फाइव स्टार होटल में शिंदे ने 42 शिवसेना और 7 निर्दलीय विधायकों के साथ फोटो जारी कर शक्ति-प्रदर्शन

किया। इसी बीच राज्यपाल ने उद्धव को बहुमत सिद्ध करने के लिए कह दिया। उधर शिंदे को बागी खेमे ने शिव सेना विधायक दल का नेता घोषित किया। 29 जून, 2022 को उद्धव ठाकरे के सीएम पद से इस्तीफा देने के 24 घंटे के अंदर शिंदे ने सीएम और बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम के रूप में शपथ ले ली। महाराष्ट्र की पिक्चर अभी भी बाकी थी। अब बारी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में बगावत और टूट की थी। 10 जून, 2023 को एनसीपी के 25वें स्थापना दिवस पर शरद पवार ने पार्टी के दो कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और सुप्रिया सुले के नामों की घोषणा की। अजित पवार को लेकर शरद से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वो नेता विपक्ष का पद संभाल रहे हैं। अजित को लगा कि चाचा शरद पवार ने उन्हें साइड लाइन कर दिया है। इसके बाद 2 जुलाई, 2023 को अजित ने 41 विधायकों के साथ महायुति से नाता जोड़ा और शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम बन गए। वर्ष 2019 में जब विधानसभा के चुनाव हुए तो महाराष्ट्र में मुख्य रूप से 4 पार्टियां बीजेपी, कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना मैदान में थीं। पिछले 5 साल में एनसीपी और शिवसेना के दो-दो धड़े बन चुके हैं। यानी 2024 चुनाव में 6 बड़ी पार्टियों और दो अलायंस के बीच महामुकाबला होगा- बीजेपी, शिवसेना (शिंदे), एनसीपी (अजित), कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव), एनसीपी (शरद)। पार्टियों के समीकरणों के साथ राज्य में वोटर्स के आंकड़े भी बदले हैं। महाराष्ट्र में मतदाताओं की संख्या 9.53 करोड़ पर पहुंची है। हालांकि, इस बार के लोकसभा चुनाव में बड़ा उलटफेर हुआ और बीजेपी को करारा झटका लगा। राज्य की 48 सीटों में से एनडीए 17 सीटों पर सिमट गई, इसमें बीजेपी के खाते में मात्र 9 सीटें आईं। वहीं कांग्रेस ने 13, शिवसेना (उद्धव) ने 9 और एनसीपी (शरद) ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की। सबसे खस्ता हालत अजित पवार की हुई, जिनकी पार्टी को सिर्फ एक सीट से संतोष करना पड़ा।

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के रिजल्ट को 288 विधानसभा सीटों के आधार पर देखें तो आंकड़े और दिलचस्प नजर आएंगे। ये बताते हैं कि अजित पवार की एनसीपी केवल 6 विधानसभा सीटों पर जीती। भाजपा को 23 सीटों का नुकसान हुआ और महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 63 सीटें जीती। नतीजे ये संकेत देते हैं कि त्रिशंकु या गठबंधन सरकार फिर महाराष्ट्र की मजबूरी बनने वाली है। हालांकि, हरियाणा का हाल देखकर कांग्रेस अब फूंक-फूंककर कदम

रसीले भोजन में जहरीले रसायन

दीपिका अरोड़ा

भारत में सदैव बाजार में बने खाने की अपेक्षा घर में तैयार भोजन को प्राथमिकता दी जाती रही है लेकिन व्यस्त जीवनशैली के चलते आजकल लोग पैक्ड फूड को प्राथमिकता देने लगे हैं। खासकर कामकाजी युवा पीढ़ी खाना बनाने को उबाऊ और समय खपाने वाली प्रक्रिया मानने लगी है। दरअसल विभिन्न एप्स पर एक क्लिक पर ऑनलाइन उपलब्ध पैक्ड फूड के विक्रेताओं ने इस प्रवृत्ति में और इजाफा किया है। वहीं डिब्बाबंद फ्रोजन फूड भी खूब खाया जा रहा है। लेकिन यह फास्ट फूड की कल्चर सेहतमंद गुणवत्ता वाले खाने से वंचित कर रही है। साथ ही विभिन्न अध्ययनों व शोधों में खाने की पैकेजिंग में मौजूद रसायनों के भोजन के संपर्क में आने के चलते होने वाली रासायनिक प्रक्रिया के खतरे भी सामने आने लगे हैं। यही कारण है कि घर की रसोई में पका अन्न प्रत्येक प्रकार से सर्वोत्तम माना गया। प्रमुख कारण रहा स्वच्छता व पौष्टिकता आदि की कसौटी पर इसका खरा उतरना।

दरअसल, निरंतर बढ़ती आवश्यकताओं ने हमारे जीने का ढंग ही बदलकर रख दिया है। जिंदगी की आपाधापी में अधिकतर लोगों के पास न तो भोजन बनाने का समय है, न ही रुचि व न ही खाने का सलीका। पाश्चात्य सभ्यता की पैक्ड फूड कल्चर काफी हद तक भारतीय समाज पर प्रभावी हो चुकी है, बिना यह जाने कि जिन धातुओं में विविध खाद्य सामग्री पैक होकर हम तक पहुंच रही है, स्वास्थ्य के लिहाज से वे शरीर के लिए कितनी घातक सिद्ध हो सकती हैं। जर्नल ऑफ एक्सपोजर साइंस एंड एनवायरमेंटल एपिडेमियोलॉजी में ज्यूरिख के फूड पैकेजिंग फोरम फाउंडेशन के अध्ययन के मुताबिक, फूड पैकेजिंग में उपयोग होने वाली सामग्री के जरिये मानव शरीर में 3,600 से अधिक रसायन प्रविष्ट होने की संभावना है। इनमें से कुछ केमिकल स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हैं।

शोधकर्ताओं द्वारा लगभग 14,000 रसायनों की सूची बनाई गई, जोकि प्लास्टिक, धातु, कागज या कांच जैसी पैकेजिंग सामग्री के माध्यम से न केवल खाद्य पदार्थों में शामिल हो सकते हैं, बल्कि भोजन तैयार करने के दौरान रसोईघर के बर्तनों आदि के संपर्क में आने पर भी अपना प्रभाव छोड़ सकते हैं। इनकी उपस्थिति का पता लगाने हेतु शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन के दौरान मानव में रसायन ट्रैक करने वाले मौजूदा बायोमॉनिटरिंग डाटाबेस की जांच भी शामिल की। कुछेक केमिकल मिलने की संभावना से की गई इस जांच में कुल 3,601 रसायन मिले। भोजन के संपर्क में आने वाले सभी ज्ञात केमिकल्स का यह लगभग एक-चौथाई बनता है। शोधकर्ता बिरगिट ग्यूके के अनुसार, इनमें से लगभग 100 रसायन मानव शरीर के लिए बेहद घातक हैं, जबकि अन्य अनेक रसायनों के दुष्प्रभावों के बारे विस्तार से जानना अभी शेष है। शोधकर्ताओं द्वारा दी गई चेतावनी के तहत ये केमिकल परस्पर क्रिया कर सकते हैं। ऐसे में खाद्य पदार्थों और पैकेजिंग के बीच मौजूद संपर्क को कम करने के साथ ही भोजन को पैकेजिंग सामग्री में गर्म न करने की सलाह दी गई है।

अध्ययन के मुताबिक, इनमें से 'पर-एंड पॉली-फलोरो अल्काइल सब्स्टेंसेज' (पीएफएएस) तथा 'बिस्फेनॉल ए' केमिकल मानव शरीर में पहले ही मौजूद पाए जा चुके हैं, जिन पर प्रतिबंध लगाए जाने की तैयारी चल रही है। प्लास्टिक में उपयोग होने वाला केमिकल 'बिस्फेनॉल ए' हार्मोन प्रभावित करने के लिए जाना जाता है। अत: पहले ही कई देशों में शिशुओं के लिए उपयोग होने वाली बोतलों के निर्माण में इसके प्रयोग पर पाबंदी लगाई जा चुकी है। ये सभी रसायन हमारे भोजन तक किस प्रकार पहुंच बनाते हैं, अध्ययन में अभी यह बात स्पष्ट नहीं हो पाई; न ही यह साबित हो पाया कि ये सभी केमिकल्स सिर्फ फूड पैकेजिंग के माध्यम से ही भोजन में समाविष्ट हुए। हो सकता है अन्य संभावित स्रोतों की भी इस संदर्भ में कोई भूमिका हो! हालांकि यह तो तय ही है कि शुद्धता व स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से 'पैक्ड फूड' किसी भी आधार पर घर पर तैयार भोजन की बराबरी नहीं कर सकता है। जीवन को सुविधाजनक बनाने की चाह में कहीं भी, जैसे-कैसे कुछ भी खा लेने की आदत बिल्कुल तार्किक नहीं। किसी भी कार्य को सुनियोजित ढंग से करने के लिए शरीर का सेहतमंद होना बेहद आवश्यक है किंतु ऐसा तभी संभव हो पाएगा, जब हमारा आहार शुद्ध, पौष्टिक एवं रसायन मुक्त हो। भोजन खाने का निर्धारित समय होने के साथ ग्रहण करने की मुद्रा व माहौल भी सही हो।

मानव शरीर प्रकृति प्रदत्त वरदान है, जिसे स्वस्थ बनाए रखने का पूरा दायित्व हमारा ही है। जरूरत समय को लेकर बेहतर व्यवस्था एवं भोजन पकाने के प्रति रुचि उत्पन्न करने भर की है। घर की रसोई से प्रेमपूर्वक परोसा गया भोजन जो आत्मसंतुष्टि देता है, उसका अहसास आकर्षक पैकेजिंग में लिपटे रेडी टू ईट व्यंजनों में भला कहां? 'जैसा खाए अन्न, वैसा होय मन', विद्वान लोग हमेशा से यही कहते आए हैं। निरंतर बढ़त बनाते रोगों के साथ समाज में नैतिक स्तर पर वैचारिक प्रवाह को प्रदूषित बनाने में आंशिक ही सही, कुछ न कुछ हिस्सा तो इन पैकिंग मेटीरियल रसायनों का भी तो होगा। निरोगी तन-मन यकीनी बनाने के परिप्रेक्ष्य में मार्डन फूड कल्चर के इस हानिकारक पक्ष पर विचार करने की जरूरत है।

बच्चे को संस्कारी बनाने के लिए पैरेंटस घर पर करें ये काम

वो कहते हैं ना कि हर बच्चे का पहला स्कूल उसका घर ही होता है। बच्चा वही सीखता है, जो उसे घर में देखने को मिलता है। यही वजह है कि लोग अपने बच्चे के सामने काफी सोच-समझ के बोलते हैं। बच्चे के सामने कुछ काम करने से पहले भी कई बार सोचना पड़ता है। खासतौर पर बात करें बच्चे के माता-पिता की, तो हर बच्चा वो सब करता है, जो वो अपने माता-पिता को करते देखता है। यही वजह है कि बड़े-बुजुर्ग ये सलाह देते हैं कि बच्चों के सामने माता-पिता को बहुत ध्यान देने की जरूरत होती है। ऐसे में अगर आप भी चाहते हैं कि आपका बच्चा अच्छी आदतें सीखे तो सबसे पहले अपने व्यवहार में कुछ चीजों को जरूर शामिल करें। जब आप अपने व्यवहार में कुछ अच्छी आदतों को शामिल कर लेंगे तो इससे आपका बच्चा भी वही आदतें सीखेगा और अच्छे संस्कारों के साथ ही बड़ा होगा।

शेयरिंग है जरूरी

अपने बच्चे के सामने परिवार के लोगों के साथ चीजों को शेयर करें, ताकि उन्हें भी शेयरिंग की आदत लगे। अगर आप ही ऐसा नहीं करेंगे, तो इससे उनके ऊपर भी खराब असर पड़ सकता है। ऐसे में अपने बच्चे को शेयरिंग करना जरूर सिखाएं, जिससे उन्हें स्कूल जाकर किसी तरह की कोई परेशानी न हो। और आगे चलकर वह अपने दोस्तों और पड़ोसियों केसाथ उनका व्यवहार अच्छा रहे।

दूसरों की बात सुनें

अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा आप की और अपनों से बड़ों की बात अच्छे से सुने तो इसके लिए आपको बच्चे के सामने हमेशा दूसरों की बात अच्छे से सुनें, ताकि उसे भी ऐसा करने की आदत पड़े। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपका बच्चा सिर्फ अपनी कहेगा लेकिन सुनेगा किसी की नहीं। ये आदत काफी खराब होती है। इससे उसे जिद की आदत लग सकती है। और जब बच्चा बड़ा हो जायेगा तो भी वह इसी तरह का व्यवहार करेगा जो उसके सामाजिक विकास के लिए काफी नुकसान दायक है। इसलिए आपको किसी दूसरे बात करते समय सावधानी रखनी चाहिए।

दूसरों का आभार प्रकट करें

यदि आप चाहते हैं कि आपका बच्चा हर किसी से अच्छे से पेश आए तो उसके सामने लोगों का आभार जरूर प्रकट करें। अगर किसी ने आपके साथ कुछ अच्छा किया है तो बिना कुछ सोचे बच्चे के सामने उसे धन्यवाद कहें। ताकि बच्चे को भी ये ध्यान रहे कि उसे भी ऐसा करना है।

भावनाओं को करें नियंत्रित

बच्चे को उनकी भावनाओं पर नियंत्रिण करना सिखाएं। इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि उन्हें हर चीज पर कंट्रोल करना सिखाएं। बस आपको अपने बच्चे को ये एहसास दिलाना है कि भावनाओं को प्रकट करने के लिए सही जगह देखना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि बच्चे को यह पता होना चाहिए कि उसे कौन सी बात कब और कहां कहनी है और कैसे कहनी है।

रहें दयालु

अपने बच्चे के सामने कभी किसी से हावी न हों। बच्चों के सामने दूसरों पर दयालू रहें, ताकि आपके बच्चे में भी ये आदत आ सके। उन्हें सिखाएं कि अगर किसी से कोई गलती भी हो गई है तो उसे माफ करें। माफ करने वाला हमेशा बड़ा होता है। अपने बच्चे को लोगों की मदद करना भी सिखाएं।

हंसना मना है

लड़की - ये क्या कर रहे हो? लड़की - दही जमा रहा हूं...लड़की - कब तक जमाओगे? लड़का - अगर तुम मिल जाओ, जमाना छोड़ देंगे हम...!!

पप्पू - एक गंजे के सिर पर दो बाल थे, दोनों में प्यार हो गया... दोनों ने साथ जीने-मरने की कसमें खाईं, लेकिन फिर भी दोनों की शादी नहीं हो पाई... चंदू - क्यों? पप्पू क्योंकि, बाल विवाह कानूनी अपराध है...!!!

एक पुलिस वाले के घर चोरी हो रही थी...पत्नी - उठो जी, घर में चोरी हो रही है, पुलिस वाला पति - मुझे सोने दो, मैं इस वक्त ड्यूटी पर नहीं हूं...!!!

एक सरदार अपना मैरिज सर्टिफिकेट एक घंटे से देख रहा था, पत्नी बोली - आप इतनी देर से क्या देख रहे हैं? सरदार- एक्पायरी डेट देख रहा हूं...

ग्राहक- वैसे आपके होटल में सफाई बहुत ध्यान पूर्वक कि जाती हैं। मैनेजर- धन्यवाद ! आपको किस बात से ऐसा आभास हुआ। ग्राहक- ऐसा आभास जब हुआ ! किसी ने होटल में घुसते ही मेरी जेब की सफाई कर दी।

कहानी | मंगलमय पवित्र दान

एक सेठ ने अन्नसत्र खोल रखा था। उनमें दान की भावना तो कम थी, पर समाज उन्हें दानवीर समझकर उनकी प्रशंसा करे यह भावना मुख्य थी। वर्ष के अंत में कोठारों में जो सड़ा, गला अन्न बिकने से बच जाता था, वह दान के लिए भेज दिया जाता था। प्रायः सड़ी ज्वार की रोटी ही सेठ के अन्नसत्र में भूखों को प्राप्त होती थी। सेठ के पुत्र का विवाह हुआ। पुत्रवधू बड़ी सुशील, धर्मज्ञ और विचारशील थी। उसे जब पता चला कि उसके ससुर द्वारा खोले गये अन्नसत्र में सड़ी ज्वार की रोटी दी जाती है तो उसे बड़ा दुःख हुआ। उसने भोजन बनाने की सारी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पहले ही दिन उसने अन्नसत्र से सड़ी ज्वार का आटा मंगवाकर एक रोटी बनायी और सेठ जब भोजन करने बैठे तो उनकी थाली में भोजन के साथ वह रोटी भी परोस दी। काली, मोटी रोटी देखकर कौतुहलवश सेठ ने पहला ग्रास उसी रोटी का मुख में डाला। तो वे थू-थू करने लगे और बोले- बेटी! घर में आटा तो बहुत है। यह तूने रोटी बनाने के लिए सड़ी ज्वार का आटा कहां से मंगाया? पुत्रवधू बोली- पिता जी ! यह आटा परलोक से मंगाया है। ससुर बोले- बेटी मैं कुछ समझा नहीं। पिता जी जो दान पुण्य हमने पिछले जन्म में किया वही कमाई अब खा रहे हैं और जो हम इस जन्म में करेंगे वही हमें परलोक में मिलेगा। हमारे अन्नसत्र में इसी आटे की रोटी गरीबों को दी जाती है। परलोक में केवल इसी आटे की रोटी पर रहना है। इसलिए अभी से हमें इसे खाने का अभ्यास हो जाये तो वहां कष्ट कम होगा। सेठ को अपनी गलती का एहसास हुआ। उन्होंने अपनी पुत्रवधू से क्षमा मांगी और अन्नसत्र का सड़ा आटा उसी दिन फिंकवा दिया। तब से अन्नसत्र से गरीबों, भूखों को अच्छे आटे की रोटी मिलने लगी।

शिक्षा- आप दान तो करो लेकिन दान ऐसा हो कि जिससे दूसरे का मंगल-ही-मंगल हो। जितना आप मंगल की भावना से दान करते हो उतना दान लेने वाले का भला होता ही है, साथ में आपका भी यह लोक और परलोक सुधर जाता है। दान करते समय यह भावना नहीं होनी चाहिए कि लोग मेरी प्रशंसा करें, वाह-वाही करें। दान इतना गुप्त हो कि देते समय आपके दूसरे हाथ को भी पता न चले।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ

शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

मिथुन

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा।

कर्क

धनहानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें।

सिंह

कष्ट, तनाव व चिंता का वातावरण बन सकता है। शत्रु पस्त होंगे। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या

पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीवार्द मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे।

तुला

पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे।

वृश्चिक

कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

धनु

जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

मकर

यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा।

कुम्भ

जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। आय होगी।

मीन

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

चाहत पांडेय ने अविनाश पर लगाया गंभीर आरोप

कैरेक्टर पर उठे सवाल को लेकर फूटा गुस्सा

चाहत पांडेय और अविनाश मिश्रा टीवी जगत के जाने-माने नाम हैं। दोनों कई सीरियल्स में काम कर चुके हैं। इन दिनों ये दोनों कलाकार बिग बॉस 18 में बतौर प्रतिभागी नजर आ रहे हैं। अब तक इनके बीच शो में चीजें ठीक ही चल रही थीं लेकिन अचानक ही इनके भी झगड़े की शुरुआत हो गई। हाल ही में दोनों के बीच काफी बहस हुई। जिसमें इन्होंने एक-दूसरे को काफी भला-बुरा कहा। इन दोनों के बीच झगड़े की शुरुआत तब हुई जब अविनाश ने चाहत को जरूरी खाना देने से मना कर दिया। इस बात से गुस्सा होकर चाहत ने बाद में सोते हुए अविनाश पर पानी डाल दिया। चाहत की इस हरकत से अविनाश नाराज हो गए और उन्होंने चाहत को कहा, गंवार, गंवार ही रहता है चाहे कुछ भी कर लो। खुद को गंवार सुनना चाहत को बर्दाशत नहीं हुआ और वह ज्यादा गुस्सा करने लगीं। उनका कहना था कि वह गांव से आती हैं तो उनके बारे में इस तरह की बातें की जा रही हैं। अगले दिन चाहत ने अविनाश को उनके गंवार वाले बयान पर फिर से घेर लिया। इससे उनके बीच फिर से झगड़ा शुरू हो गया। इस दौरान अविनाश से कई ऐसी बातें कहीं जिससे चाहत नाराज हो गई। उन्होंने अविनाश को कहा कि तुम इससे ज्यादा क्या नीचे गिर सकते हो तुमने एक लड़की के चरित्र के बारे में बोला है। चाहत और अविनाश पहले भी एक साथ एक सीरियल में काम कर चुके हैं। इस सीरियल का नाम नथ था। सीरियल के दौरान दिए अपने इंटरव्यू में दोनों के बीच अच्छा रिलेशनशिप नजर आता था। लेकिन बिग बॉस-18 में आते ही इनके बीच की कहानी बिल्कुल ही बदल गई। दोनों एक-दूसरे से झगड़ा और बहस करने में ही व्यस्त नजर आ रहे हैं।

मेरी भावनाएं बहन के लिए कभी नहीं बदलीं

नूपुर के साथ अपनी तुलना को कृति ने बताया गलत

लुका छुपी, बरेली की बर्फी, मिमी और तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया जैसी फिल्मों की सफलता के साथ कृति सेनन ने खुद को बॉलीवुड में एक ए-लिस्टर अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है। पिछले कुछ वर्षों में, अभिनेत्री ने अपना खुद का कपड़ों और मेकअप ब्रांड भी खोला है और अब दो पत्ती के साथ अभिनेत्री एक निर्माता के रूप में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अब हाल ही में, कृति ने बहन के साथ अपनी तुलना किए जाने पर नाराजगी जाहिर की है और बताया है कि रिश्तेदार अक्सर ऐसा करते हैं। हाल ही में, एक साक्षात्कार में अभिनेत्री ने दोनों बहनों के बीच की गई तुलना के बारे में बात की। उन्होंने कहा, कुछ भी ऐसा नहीं हुआ है कि एक-दूसरे के प्रति हमारी भावनाएं बदल गई हों। मुझे नहीं लगता कि मैं इससे गुजरी हूं। कम से कम अभी तक तो नहीं। जब मैं इंडस्ट्री में आई थी, तब नूपुर बहुत छोटी थी और वह उस समय मुंबई में नहीं थी और तभी मैंने देखा कि कुछ रिश्तेदार हमारे साथ अलग व्यवहार कर रहे थे और इससे मुझे गुस्सा आया। अभिनेत्री ने आगे कहा, नूपुर इस बात से बेपरवाह रहीं, जब हम उनके घर जाते थे, तो वे हमारे साथ अलग व्यवहार करते थे। वे मुझे और नूपुर को हमारे जन्मदिन पर अलग-अलग तरह से बधाई देते थे। यह कुछ ऐसा था जो मुझे गलत लगता था। यही नहीं, कृति ने आगे कहा, वह मेरी छोटी बहन होने के बावजूद बहुत मजबूत और बहुत शांत है। वह चीजों को अच्छी तरह से संभालती है और अगर कोई चीज उसे चोट पहुंचाती है या परेशान करती है, तो वह कभी भी इसे अपने सामने नहीं आने देती। दूसरी ओर, उनकी छोटी बहन नूपुर सेनन ने हाल ही में पॉप कौन? और टाइगर नागेश्वर राव जैसी परियोजनाओं के साथ एक अभिनेत्री के रूप में अपना करियर शुरू किया। दोनों सेनन बहनें एक ही इंडस्ट्री में हैं, इस वजह से अक्सर दोनों के बीच तुलना होती है, जो अब कृति सेनन को परेशान करती है।

पुलिस की ट्रेनिंग मैंने अजय को दी है उन्होंने मुझे नहीं: काजोल

काजोल और अजय देवगन बॉलीवुड के मोस्ट लविंग कपल्स में से एक हैं। कपल की तरह उनके बच्चे भी काफी लोकप्रिय हैं। लाइमलाइट से दूर होने के बाद भी किसी न किसी इवेंट में काजोल अपने परिवार के साथ स्पॉट हो ही जाती हैं। काजोल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दो पत्ती को लेकर काफी चर्चा में चल रही हैं। फिल्म में वह पुलिस की भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में, काजोल से पूछा कि क्या उन्होंने अपने पति, अभिनेता अजय देवगन से पुलिस की भूमिका निभाने के लिए कुछ टिप्स मांगे हैं, और काजोल ने इस पर शानदार जवाब दिया। अजय देवगन अपनी सिंघम फिल्मों में पुलिस वाले की भूमिका निभाने के लिए जाने जाते हैं और वे जल्द ही अगली पुलिस यूनिवर्स फिल्म सिंघम अगेन में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। जब कपिल ने काजोल से पूछा कि क्या उन्होंने अजय से कुछ टिप्स मांगे हैं, तो उन्होंने कहा, बिलकुल नहीं पूछा। क्योंकि पूरी ट्रेनिंग मैंने दी है उनको सिंघम के लिए। भूल गए? काजोल और कृति को स्टेज पर बुलाकर कपिल भी खूब मस्ती करते दिखे। उन्होंने घोषणा की, एक वो है जिनको मैं कॉलेज टाइम से पसंद करता हूं। और दूसरी वो हैं जो अपने कॉलेज के समय से मुझे पसंद करती हैं। टीवी एक्टर शहीर शेख भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। दो पत्ती के जरिए वे फिल्मों में डेब्यू कर रहे हैं। काजोल, कृति और शहीर अभिनीत यह फिल्म 25 अक्तूबर 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फैंस एक बार फिर काजोल को अलग अवतार में देखने के लिए बेकरार हैं। वहीं, शहीर शेख के फैंस भी उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। काजोल अगली बार दो पत्ती के अलावा महारानी और सरजमीन में नजर आएंगी। उन्हें आखिरी बार द ट्रायल और नेटफ्लिक्स इंडिया पर एंथोलॉजी लस्ट स्टोरीज 2 के एक सेगमेंट में देखा गया था।

बॉलीवुड | मसाला

किसान पर मगरमच्छ ने किया हमला पति को बचाने नदी में कूदी पत्नी...

भारतीय लोककथाओं में सावित्री और सत्यवान की कहानी काफी लोकप्रिय है। आपने भी इनकी कहानी सुनी होगी। पतिव्रता सावित्री अपने पति को यमराज के यहां से मुक्त करा लिया था। राजस्थान के करौली जिले में कुछ इसी तरह की कहानी सामने आई है। यहां एक महिला ने अपने पति को बचाने के लिए मगरमच्छ से जा भिड़ी और उन्हें इस खतरनाक जलचर के चंगुल से छुड़ा कर ही दम लिया। विवाहिता अकेले ही लाठी लेकर मगरमच्छ से मुकाबला करने लगी। जानकारी के अनुसार, एक किसान अपनी बकरियों को चंबल नदी के आसपास चरा रहा था। कुछ देर बाद वह बकरियों को पानी पिलाने के लिए नदी की ओर चल दिया। पशुपालक किसान बकरियों को चंबल नदी में पानी पिला ही रहा था कि पहले से घात लगाकर बैठे मगरमच्छ ने उनपर हमला कर दिया। मगरमच्छ किसान के पैर को अपने जबड़े में जकड़ लिया और उन्हें नदी में खींचने लगा। किसान दर्द से कराहने और चिल्लाने लगा। उनकी आवाज सुनकर उनकी पत्नी मौके पर पहुंच गई और हालात देखकर कुछ देर के लिए भयभीत हो गई। लेकिन उसके बाद वह संभली और पति को बचाने के लिए लाठी लेकर नदी में कूद पड़ी। महिला ने मगरमच्छ पर लाठी से हमला करना शुरू कर दिया। वह लगातार लाठी बरसा रही थी। महिला ने मगरमच्छ की आंख में लाठी घुसा दी। इससे मगरमच्छ ने किसान का पैर छोड़ दिया और वापस गहरे पानी में चला गया। मगरमच्छ और महिला के बीच तकरीबन 5 मिनट तक संघर्ष चला और आखिरकार महिला अपने पति को बचाने में सफल रही। घायल किसान को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां घायल शख्स का इलाज जारी है। महिला ने बताया कि यदि पति को बचाने में उनकी जान भी चली जाती तो कोई बात नहीं थी। उन्होंने बताया कि पति को मगरमच्छ के चंगुल से छुड़ाकर उन्होंने दूसरा जन्म लिया है। महिला ने बताया कि पति को मगरमच्छ के जबड़े से छुड़ाने के लिए जब खतरनाक जीव से जा भिड़ी तो उन्हें जरा भी भय नहीं लगा।

अजब-गजब | 1800 साल पुराने कंकाल के साथ मिले गहने-जेवरात

दफन करने से पहले लड़कियों को पहनाए जाते थे गहने

जब कहीं पुरातत्व विद खुदाई करते हैं एक नई परंपरा नई संस्कृति और नए रहस्यों का पता चलता है जिससे दुनिया खुदाई के पहले तक अंजान हुआ करती थी। यही वजह है कि धरती के गर्भ से निकले रहस्य लोगों को हैरान भी कर देते हैं। कुछ ऐसा ही रहस्य उजागर हुआ इजरायल के यरुसलम के खंडहरों में हुई खुदाई में। खुदाई में 1800 साल पुराने कंकाल मिले हैं। जिनके साथ कुछ ऐसा भी मिला जिसने बहुत से सवाल खड़े किए और लोगों को अचरज में भी डाल दिया। 1800 साल पहले मौत के बाद लड़कियों को दफनाते वक्त गहनों से सजाया जाता था। जिसके सबूत तब मिले जब 1800 साल पुराने कंकाल बाहर निकाले गए, जिनमें लड़कियों के कंकाल गहनों से सजे मिले। इसके पीछे एक मान्यता थी की मौत के बाद लड़कियों की सुरक्षा की जा सके। गहनों के साथ मिले कंकाल इजराइल के येरुशलम के खंडहरों पर बने एलिया कैपिटोलिना की खुदाई में मिला है। इजरायल के पुरातत्वविद येल एडलर के नेतृत्व में ये खुदाई शुरू हुई थी। जिसमें लड़की के कंकाल के साथ ढेर सारे गहने मिले। जिनमें इयरिंग्स, हेयर क्लिप, सोने का लॉकेट, गोल्ड बीड्स, ग्लास बीड्स इत्यादि

शामिल हैं। हालांकि अब येल एडलर की मौत हो चुकी है। लेकिन उससे पहले ही 1971 में एडलर ने ये कूट कर ली थी जिसका खुलासा बुक किया गया है खुदाई के प्रोजेक्ट का नाम 'पब्लिकेशन ऑफ पास्ट एक्सक्यूशन प्रोजेक्ट' है जिसमें वे खुदाई से जुड़ी अधूरी रिपोर्ट्स को पब्लिश किया जाता है।

1971 में खोजे गए गहनों पर रोमन चंद्र देवी, लूना के प्रतीक मिले। जो लड़कियों की सुरक्षा करती थीं। जिस वक्त के ये सभी अवशेष मिले हैं उस दौरान हर परिवार अपनी बेटियों को गहनों से भरपूर सजाकर रखता था। जिसके पीछे मान्यता थी की ये गहने उनकी सुरक्षा करेंगे। और जब बेटियों की मौत हो जाती थी तो भी उनके शरीर से ये जेवर उतारे नहीं जाते।

बल्कि जेवरात के साथ ही उन्हें दफ्न कर दिया जाता था। इसके पीछे मान्यता थी कि जो गहने उनके जीवित रहते सुरक्षा के लिए पहनाए गए थे। मौत के बाद भी उन्हें सुरक्षा के नज़रिए से बेटियों के बदन पर छोड़ दिया जाना चाहिए। ताकी वो आगे भी उनकी रक्षा करें। सोने के गहने युवा लड़कियों को बुरी नजर के खिलाफ ताबीज के रूप में पहनाए जाते थे।

पीएसी का सामना करने से क्यों कतरा रहीं बुच : राहुल

» बोले- सेबी अध्यक्ष को बचाने के पीछे कौन है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने गुरुवार को संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) की बैठक में भाग न लेने के लिए व्यक्तिगत मजबूरियों का हवाला दिया, जिसके बाद समिति के प्रमुख केसी वेणुगोपाल और एनडीए सदस्यों के बीच हाथापाई हो गई, जिन्होंने उन पर एकतरफा फैसले लेने का आरोप लगाया और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के समक्ष विरोध दर्ज कराया।

जिसको लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच के संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) के सामने हाजिर न होने पर सवाल उठाया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पूछा कि बुच समिति के सवालों का सामना करने से क्यों कतरा रही हैं और उन्हें बचाने के पीछे कौन है? समिति की कार्यवाही दूसरी बैठक के दौरान भी गतिरोध में रही, जहां ट्राई के चेयरपर्सन कुछ समय के लिए उपस्थित हुए, एनडीए सदस्यों की मांग के बीच कि वेणुगोपाल नियामक निकायों के प्रमुखों को बुलाने जैसे एजेंडा आइटम पर वोट की अनुमति दें, जिसका कांग्रेस और उसके सहयोगी सांसदों ने विरोध किया। बुच के न आने के बाद वेणुगोपाल ने बैठक स्थगित कर दी।

बुच को पीएसी के सामने सवालों का जवाब देना होगा : खरगे

वहीं, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने भी एक्स पर एक पोस्ट में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह सेबी अध्यक्ष को अपनी गलतियों को छिपाने के लिए एक ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रही है। खरगे ने कहा कि बुच को पीएसी के सामने सवालों का जवाब देना होगा, क्योंकि यह एक संवैधानिक संस्था है। खरगे ने कहा, पीएसी को किसी भी सरकारी जांच से जुड़े किसी अधिकारी को बुलाने का संवैधानिक अधिकार है। सेबी की स्वायत्तता की रक्षा करने और संसद के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए बुच को पीएसी के सामने जवाब देना होगा।

एक या दो स्थानों पर हो सकती है सीट की अदला-बदली : राउत

» बोले- उनकी पार्टी 100 सीट पर चुनाव लड़ सकती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना नेता संजय राउत ने गुरुवार को संकेत दिया कि महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के सहयोगी दल आपस में कुछ सीट की अदला-बदली कर सकते हैं। राउत ने यह बात महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन एमवीए द्वारा तीनों घटक दलों को 85-85 सीट दिये जाने के फार्मूले की घोषणा के एक दिन बाद कही। उन्होंने यह भी कहा कि बुधवार को उनकी पार्टी द्वारा घोषित उम्मीदवारों की सूची में 'कुछ सुधार' हो सकते हैं।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने राज्य विधानसभा चुनाव के लिए 65 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की। राउत ने आज कहा, 'सीट की अदला-बदली हो सकती है।' उन्होंने कहा कि उम्मीदवार चुनने में योग्यता और जीतने की संभावना मुख्य कारक होंगे। राउत ने कहा, 'एक या दो स्थानों पर सीट की अदला-बदली हो सकती है। कुछ स्थानों पर उम्मीदवारों को अंतिम समय में बदलना पड़ता है। मुझे नहीं लगता कि इससे आगे कुछ बड़ा हो सकता है।' तीनों दल 85-85-85 (फॉर्मूले) पर सहमत हो गए हैं। राज्यसभा सदस्य राउत ने यह भी संकेत दिया कि उनकी पार्टी 100 सीट पर चुनाव लड़ सकती है। राउत ने क्रिकेट मैच के साथ तुलना करते हुए कहा, 'हम शतक बनाने के करीब पहुंच गए हैं। हम दो-तीन छक्के लगाएंगे। हमने 85 रन बनाए हैं और मैच अभी भी जारी है। हम शेष रन बना लेंगे।' इस बीच, महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने बताया कि महा विकास अघाड़ी में सीट बंटवारे की अंतिम घोषणा शुक्रवार को होगी। उन्होंने कहा कि पार्टी ने पहले ही उन उम्मीदवारों से नामांकन पत्र भरने के लिए कह दिया है, जिनका विधानसभा चुनाव के लिए टिकट हासिल करना तय है। पटोले ने कहा, मुख्यमंत्री के पद पर फैसला हाई कमान द्वारा लिया जाएगा।

योगी सरकार की कानून व्यवस्था पर बिफरे आप प्रवक्ता वंशराज दुबे

» बोले- डबल इंजन सरकार के दावे झूठे हुए साबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर लगातार उठ रहे सवालों को लेकर आम आदमी पार्टी ने भी योगी सरकार को घेरा है। आप प्रवक्ता वंशराज दुबे ने कहा योगी सरकार में अपराधी बेलगाम हो चुके हैं। कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है।

दुबे ने कहा कि कुछ दिन पूर्व अयोध्या में नियुक्त महिला कांस्टेबल के साथ हुई रेप की घटना और गोरखपुर में दुष्कर्म आरोपियों को पकड़ने गए पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला, हापुड़ में महिला की निर्मम हत्या कर गन्ने के खेत में खून से लथपथ महिला का नग्न अवस्था में शव मिलने का मामला,औरैया में डिप्टी सीएमओ डॉ. विक्रम स्वरूप की पत्नी की हुई मौत और अयोध्या के एडीएम कानून व्यवस्था सुरजीत सिंह की मौत को लेकर दुबे ने प्रदेश की डबल इंजन सरकार की पोल खोल दी। वंशराज दुबे ने कहा कि बीते एक महीने में जिस तरह पूरे प्रदेश में अपराधी बेखौफ होकर अपराध का अंजाम दे रहे है, उससे यह बात सबित हो गई है कि भाजपा की डबल इंजन सरकार अब खटारा हो गई है।

खिलाड़ी हूं और रहना चाहती हूं: फोगाट

» अब मैं विधानसभा में 5 साल तक जनता के लिए लड़ूंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरियाणा। हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज के बाद कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट आज पहली बार विधानसभा पहुंचीं। इस दौरान वह खिलाड़ियों की वेशभूषा में नजर आईं। इसे लेकर पत्रकारों ने उनसे सवाल किया। इसके जवाब में विनेश ने कहा, मैं खिलाड़ी हूं और खिलाड़ी रहना चाहती हूं। खिलाड़ियों के मन में जो भावना होती है उसी भावना के साथ मैं आई हूं। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों ने उन्हें जिम्मेदारी दी है। विनेश ने कहा, मैं विधानसभा में शपथ लेने के बाद सही मायने में विधायक बनूंगी।

लोगों ने मुझे जिम्मेदारी दी है। मैंने कहा था कि सदन में एक कदम रखते ही मेरी लड़ाई शुरू हो जाएगी। लोगों ने लड़ाई लड़ी है। अब मेरा कर्तव्य है कि मैं विधानसभा में 5 साल तक उनके लिए लड़ूं। विनेश फोगाट से पूछा गया कि कांग्रेस की ओर से हरियाणा विधानसभा में विधायक दल का नेता कौन होगा? इस पर उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि इसका जवाब मैं नहीं दे सकती हूं। वहीं, कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला भी आज विधानसभा पहुंचे। उन्होंने कहा, मैं कैथल और पूरे हरियाणा की आवाज को उठाने के लिए एक ऊर्जा लेकर आऊंगा। मैं विधानसभा में गरीबों, वंचितों, दलितों, महिला शक्ति की आवाज को उठाऊंगा। हरियाणा कृषि आधारित राज्य है। अगर हमने अब किसानों की मदद नहीं की, उन्हें एमएसपी नहीं दी तो वो कर्ज में डूब जाएंगे।

साक्षी मलिक के दावों को विनेश ने किया खारिज

इससे पहले स्टार पहलवान और कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने साक्षी मलिक के उन दावों पर असहमति जताई, जिसमें कहा गया कि एशियाई खेलों के ट्रायल से छूट लेने के उनके और बजरंग पूनिया के फैसले से बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ उनका प्रदर्शन कमजोर पड़ा। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी ने अपनी किताब विटनेस में दावा किया कि विनेश और बजरंग के फैसले से उनका आंदोलन स्वार्थपूर्ण लगने लगा। विनेश ने कहा, 'यह उसकी निजी राय है। मैं इससे सहमत नहीं हूं। जब तक मैं कमजोर नहीं हूं, लड़ाई कमजोर नहीं हो सकती। यह मेरा मानना है। जब तक साक्षी, विनेश और बजरंग जिंदा है, यह लड़ाई कमजोर नहीं हो सकती।'

दूसरे टेस्ट में भी फेल हुई भारतीय बल्लेबाजी

» न्यूजीलैंड को 103 रन की मिली बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम में जारी है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम पहले दिन पहली पारी में 259 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में भारत ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट गंवाकर 16 रन बना लिए हैं।

भारत की पहली पारी 156 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम सिर्फ 45.3 ओवर खेल सकी। रोहित शर्मा गुरुवार को ही खाता खोले बिना आउट हुए थे। शुक्रवार को भारत को पहला झटका शुभमन गिल के रूप में लगा। वह 30 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, विराट कोहली भी कुछ खास नहीं कर सके और एक रन बनाकर पवेलियन चलते बने। ऋषभ पंत 18 रन, सरफराज खान 11 रन, आर अश्विन चार रन, आकाश दीप छह रन और बुमराह खाता खोले बिना आउट हुए। रवींद्र जडेजा ने सबसे ज्यादा 38 रन बनाए और वॉशिंगटन सुंदर 18 रन बनाकर नाबाद रहे।

पहली पारी 156 रन पर सिमटी

रोहित-गंभीर के फैसले पर खरे उतरे सुंदर, लिए 7 विकेट

भारत और न्यूजीलैंड के बीच जारी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला पुणे में खेला जा रहा है। गुरुवार से शुरू हुए इस मैच में भारतीय टीम के घातक गेंदबाज वाशिंगटन सुंदर ने पहली पारी में उन्होंने एक-दो नहीं बल्कि सात विकेट झटके। वह रोहित और गंभीर के फैसले पर खरे उतरे। स्पिन ऑलराउंडर सुंदर ने न्यूजीलैंड ने अपनी घातक गेंदबाजी से आधे से ज्यादा टीम को पवेलियन लौटने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कुल सात विकेट लिए। वह पहली बार अपने करियर में पांच विकेट हॉल हासिल करने में कामयाब हुए। भारत के लिए खेले पिछले चार टेस्ट मुकाबलों में उन्होंने छह विकेट चटकाए थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ एक पारी में सर्वाधिक विकेट चटकाने के मामले में सुंदर चौथे गेंदबाज बन गए। इस मामले में शीर्ष पर एस वेंकटराघवन हैं जिन्होंने दिल्ली में 72 रन खर्च करते हुए आठ विकेट चटकाए थे। दूसरे स्थान पर ईएएस प्रसन्ना हैं जिन्होंने भी आठ विकेट हासिल किए थे। 2017 में अश्विन ने भी 59 रन खर्च करते हुए सात विकेट चटकाए थे।

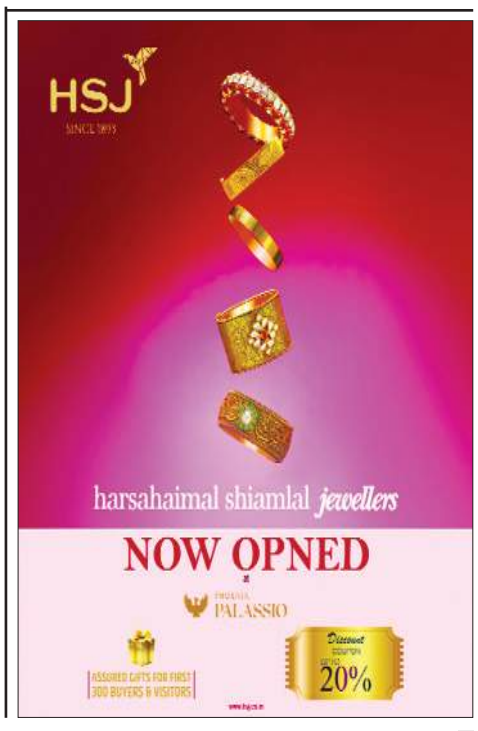

अखिलेश यादव के गढ़ में लालू-मुलायम के दामादों में भिड़ंत

भारतीय जनता पार्टी से मैदान में हैं मुलायम सिंह की भतीजी के पति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनाव का केंद्र तो पहले मिल्कीपुर विधानसभा थी लेकिन वहां चुनाव न होने के कारण अब सियासत का केंद्र मैनपुरी की करहल सीट बन गई है। जहां से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव विधायक थे। जो कन्नौज से सांसद होने के बाद इस सीट को छोड़ दिया। करहल का चुनाव बहुत ही रोचक होने वाला है क्योंकि बीजेपी ने जो यहां बिसात बिछाने की कोशिश की है उससे यहां की ये सीट चर्चा में आ गई है। मैनपुरी समाजवादियों का गढ़ रहा है और यहां अन्य किसी पार्टी की दाल नहीं गल पाई है। बीजेपी इस चक्रव्यूह को तोड़ने के लिए इस बार जो सियासी चाल चली है उससे परिणाम भले बीजेपी के अनुकूल न आए लेकिन चुनाव जरुर रोचक हो चुका है।

दरअसल इस उपचुनाव में करहल सीट में सियासत के दो धुरंधर लालू-मुलायम के दामाद आमने सामने आ गए हैं। लेकिन खेल देखिए मुलायम के दामाद बीजेपी से लड़ रहे हैं और लालू के दामाद समाजवादी पार्टी के टिकट से मैदान में हैं। एक तरफ अखिलेश ने अपने भतीजे को अपना भरत

सपा से मैदान में हैं अखिलेश के भतीजे तेजप्रताप

मानकर इस विधानसभा की कमान दी है तो वहीं दूसरी तरफ मुलायम सिंह की भतीजी के पति पर बीजेपी ने भरोसा जताकर चुनाव मैदान में उतार दिया है। दरअसल बीजेपी के इस खेल से कोई नुकसान नहीं होने वाला लेकिन समाजवादी पार्टी का नुकसान जरुर होगा। क्योंकि अगर सपा इस चुनाव में जीतती है तो भी यादव परिवार का सदस्य हारेगा और तेजप्रताप को चुनाव में नुकसान होता है तो भी यादव परिवार का ही सदस्य हरेगा। लेकिन अगर बीजेपी ये सीट जीतने में कामयाब रही तो अयोध्या का दंश जो समाजवादी पार्टी ने बीजेपी को दिया। उस दंश पर करहल सीट की जीत का मरहम लगाने का पूरा काम करेगी। सपा अध्यक्ष ने साल 2022 में पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया था। जिसके लिए मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट को चुना था। करहल से वह विधायक चुने गए लेकिन 2024 में कन्नौज से सांसद बनने के बाद विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

बीजेपी ने चला 22 साल पुराना फॉर्मूला

करहल सपा ने पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव को उतारा है। जो मुलायम सिंह यादव के पोते और लालू प्रसाद यादव के दमाद हैं। ऐसे में बीजेपी ने मुलायम सिंह यादव के दामाद और सपा सांसद धर्मेंद्र यादव के सगे बहनोई अनुजेश प्रताप यादव को उतारा है तो बसपा की ओर से अवनीश शाक्य प्रत्याशी हैं। इस तरह करहल सीट पर चुनावी मुकाबला सैफई परिवार यानि मुलायम परिवार के बीच है। सैफई परिवार के दामाद अनुजेश प्रताप यादव सपा सांसद धर्मेंद्र यादव की बहन संध्या यादव के पति हैं। संध्या 2015 से 2020 तक मैनुपरी जिला पंचायत अध्यक्ष रही हैं और अनुजेश फिरोजाबाद से जिला पंचायत सदस्य रह चुके हैं। बीजेपी ने अनुजेश को उतारकर यादव वोटों में सेंधमारी का दांव चला है। यादव वोटों में अगर बिखराव होता है तो सपा के लिए सियासी टेंशन बढ़ सकती है।

करहल सीट का सियासी समीकरण

मैनपुरी जिले की करहल विधानसभा सीट साल 1956 में परिसीमन के बाद सियासी वजूद में आई थी। यादव बहुल सीट होने के चलते यादव समाज से ज्यादातर विधायक चुने जाते रहे हैं, सपा के गठन और उससे पहले ही मुलायम सिंह के करीबी नेता ही करहल सीट से जीतते रहे हैं। 1957 में प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के पहलवान नत्थू सिंह यादव पहले विधायक बने थे, उसके बाद 1962, 1967 और 1969 में स्वतंत्र पार्टी, 1974 में भारतीय क्रांति दल और 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर नत्थू सिंह जीते, लेकिन 1980 में कांग्रेस के शिवमंगल सिंह ने जीत दर्ज की थी। करहल के सियासी समीकरण के चलते 1985 से 1996 तक बाबूराम यादव का वर्चस्व कायम रहा था। बाबूराम यादव ने तीन चुनाव जनता दल के टिकट से जीते थे। जब स्व.मुलायम सिंह यादव ने सपा का गठन किया तो बाबूराम भी उनके साथ हो गए और 1993 और 1996 में सपा उम्मीदवार के तौर पर बाबूराम ने करहल सीट से जीत दर्ज की थी। इसके बाद सपा महज 2002 में विधानसभा चुनाव हारी थी और उसके बाद से लेकर अभी तक सपा का दबदबा करहल सीट पर कायम है। साल 2002 के विधानसभा चुनाव में सपा के टिकट पर अनिल यादव चुनाव लड़ रहे थे तो बीजेपी ने सोबरन सिंह यादव को टिकट देकर करहल की चुनावी लड़ाई यादव बनाम यादव की बना दी। सोबरन सिंह यादव सपा छोड़कर बीजेपी में आए थे। वह करहल सीट पर सपा की कमजोरी और ताकत दोनों से ही वाकिफ थे, मुलायम सिंह यादव से लेकर शिवपाल यादव तक ने अनिल यादव को जिताने के लिए करहल में दिन रात एक कर दिया था लेकिन यादव वोटों का बड़ा झुकाव बीजेपी के सोबरन यादव के साथ रहा।

निजी स्कूल वैन में अज्ञात बदमाशों ने किया हमला, दहशत में बच्चे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा से एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां एक निजी स्कूल की वैन पर अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग कर दी। उस समय बच्चे भी वैन में सवार थे। जिससे बच्चे डर गए और वैन में चीख-पुकार मच गई। वैन चालक के अनुसार तीन अज्ञात बदमाश बाइक से आए और अचानक फायरिंग शुरू कर दी।

गनीमत यह रही कि घटना में किसी को

चोट नहीं आई। वहीं घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की और वैन को थाने ले आए। गजरौला थाना क्षेत्र की पुलिस ने वैन चालक से भी पूछताछ की और हर पहलू को ध्यान में रखते हुए आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

फोटो :4 पीएम

धरना बीजेपी कार्यालय के बाहर दिव्यांग अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, लेखपाल पद पर चयनित दिव्यागों की नौकरी की कर रहे मांग, 2022 में कुल 8085 पदों पर निकली थी भर्ती।

फोटो :4 पीएम

धरना पिकप भवन स्थित यूपीएसएसएससी ऑफिस पर अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन कर की बड़ी मांग।

गोरखपुर पुलिस पर आरोपियों का जानलेवा हमला

» रेप के आरोपी के परिजनों ने पुलिसकर्मियों को लाठी-डंडों से पीटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। गोरखपुर के कैंपियरगंज में रेप के आरोपी के घर दबिश देने गए ट्रेनी दारोगा और सिपाही पर आरोपी और उसके परिजनों ने हमला कर दिया, जिससे आरोपी को पकड़ने गए दोनों पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायल पुलिस को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, घटना की सूचना मिलते ही गांव में बड़ी संख्या पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया।

कैंपियरगंज थाना क्षेत्र के गोपालगंज के एक शख्स ने पुलिस से शिकायत की थी

कि उसकी नाबालिग बेटी घर पर थी, इस दौरान पड़ोस का रहने वाला राहुल निषाद मौका देखकर घर में घुस गया और बेटी के साथ दरिंदगी की। पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपी ने पहले बेटी की पिटाई की फिर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

यही नहीं जाते समय बोला कि यदि परिजन या पुलिस को घटना के संबंध में बताया तो पूरे परिवार को जान से मार दूंगा। परिजनों ने मामले में पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद से ही पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी अपने घर पर मौजूद है जिसके बाद पुलिस ने दबिस देकर युवक को गिरफ्तार करने की कोशिश की तो आरोपी ने परिवार के साथ मिलकर पुलिस पर ही हमला कर दिया। शुक्रवार देर शाम प्रशिक्षु दारोगा सचिन कुमार अपने साथ सिपाही अजीत और बबलू को लेकर आरोपी को पकड़ने के लिए उसके घर पहुंचे थे। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगा लेकिन पुलिसकर्मियों ने दौड़ाकर उसे दबोच लिया और बाइक पर बैठाकर थाने लाने लगे। इस दौरान घर के लोग आगबबूला हो गए और पुलिसवालों पर ईंट और पत्थर से हमला कर दिया, यही नहीं घरवालों ने पुलिसकर्मियों को घेर लाठी-डंडों से पिटाई कर दी।

जस्टिस संजीव खन्ना होंगे देश के 51वें सीजेआई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। स्टिस संजीव खन्ना देश के 51वें सीजेआई होंगे। गुरुवार को उन्हें मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया, 11 नवंबर को जस्टिस खन्ना शपथ लेंगे। इससे एक दिन पहले वर्तमान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ पद मुक्त हो जाएंगे, डीवाई चंद्रचूड़ ने 8 नवंबर 2022 को सीजेआई का पदभार ग्रहण किया था। जस्टिस संजीव खन्ना का सीजेआई के रूप में कार्यकाल छह महीने से कुछ अधिक होगा वह अगले साल 13 मई को पदमुक्त होंगे।

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने कहा कि भारत के संविधान द्वारा दी गई शक्ति का इस्तेमाल करते हुए देश की राष्ट्रपति, सीजेआई से परामर्श के बाद सुप्रीम कोर्ट के जज संजीव खन्ना को 11 नवंबर 2024 से देश के प्रधान न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करती हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।